for from certain Ministries for clearance of the projects it is not supplied. Sir, I would emphatically like to inform the House, through you, when many of the projects are not moving it is the Environment Ministry which is blamed for not clearing it. A lot of data which is required is not furnished. There are clear guidelines for clearance of the projects. There is a booklet published on the basis of which information is asked for. But they do not furnish it. Letters are not replied to by the project authorities for years at a time.

MR. CHAIRMAN: which are those projects and how many?

SHRI KAMAL NATH: I do not have a list.

MR. CHAIRMAN: You require a separate notice.

SHRI KAMAL NATH: But I will supply to him.

The hon. Member wanted to know about Dholpur project. It is not a question mainly of environmental clearance. Dholpur thermal station has no coal link at all, has no CEA clearance, has no Planning Commission clearance but the emphasis is on environmental clearance. There is no coal link as yet. This was told to me in a meeting which I personally took on the 20th November, just a few back. Just saying that the delay is being caused by my Ministry is not correct.

MR. CHAIRMAN: Q. No. 83.

Strike by Service Doctors

*83. SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL:†

SHRI RAM JETHMALANI:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the doctors of the Central Government Health Service went on a country-wide idefinite strike recently;

(b) if so, what are the issues involved; and

(c) what measures have been taken by Government to provide medical services to the patients visiting the hospitals and also to resolve the issues involved?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SMT. D. K. THARADEVI SIDDHARTHA). (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) A large majority of the General Duty Medical Officers of Central Health Service have been on indefinite strike with effect from the midnight of 11th-12th November, 1991. The medical college teachers and specialists of the CHS have not joined the strike.

(b) The strike is in response to call given by the Joint Action Council of Service Doctors' Organisations (JACSDO) which is demanding acceptance of the report of the High Powered Committee chaired by Shri R. K. Tikku in toto.

(c) The strike has made virtually no impact on the functioning of major medical institutions manned by the Central Health Service doctors, *viz.* Maulana Azad Medical College, Lady Hardinge Medical College University college of Medical Sciences and Jawaharlal Nehru Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry along with their associate hospitals as well as major hospitals like Safdarjjung and Dr. Ram Manohar Lohia. Some hospitals of the Delhi Administration like Hindu Rao and Deen Dayal Upadhaya

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Mohammed Afzal *alias* Meem Afzal.

have been partially affected. Every effort is being made to ensure normal functioning of the hospitals with the help of Medical Teachers, Specialists and Resident doctors and to minimise the inconvenience to the patients on account of the strike by a section of the doctors.

The Government is willing to consider all legitimate grievances of the doctors with an open mind once the strike is called off.

SHRI P. UPENDRA: Sir, there is a calling attention motion also on the same subject... (Interruptions)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Yes, Sir, there is a calling attention matter also on this subject and Members can seek clarifications at that time. Why should we waste the time of the House?

SHRI DIPEN GHOSH: It is the right of the Members to ask questions and supplementaries ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: If it is the consent of the House we can take it up... (*Interruptions*)...

डा० रत्नाकर पाण्डेय : कालिंग अटेंशन में लिया जाए तो ठीक रहेगा **(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: Let him put his supplementary first.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल : मैं सवाल पूछने से पहले आपका प्रोटेक्शन चाहता हूं । 20 तारीख से सेशन चल रहा है और आज 27 तारीख तक पांच दिन सेशन चल चुका है लेकिन मेरी प्रोसीडिंग्ज जैसे कि मैंने लिख कर के दिया है, उर्दू में मुझे फराहम नहीं की जा रही हैं **(व्यवधान)**

†[شری محمد افضل عرف م -افضل:

میں سوال پوچھنے سے پہلے آپ کا تحفظ چاہتا ہوں - ۲۰ تاریخ سے سیشن چل رہا ہے اور آج ۲۷ تاریخ تک پانچ دن سیشن چل چکا ہے - لیکن میری پروسیڈنگس جیسا کہ میں نے لکھکر دیا ہے - اردو میں مجھے فراہم نہیں کی جا رہی ہے - ...(مداخلت)...]

श्री सभापति : आप सप्लीमेंटरी कीजिए । उसकी बात हो गई है, मौलाना साहब से पूछ लीजिए । मसला तय हो गया है ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल : सर, मैं आपका प्रोटेक्शन चाहता हूं ।

†[شری محمد افضل عرف م. افضل:

سر میں آپکا پروٹیکشن چاہتا ہوں-]

श्री सभापति : मेरी बात हो गई है । मौलाना साहब से पूछ लीजिये । आप इनको समझा दीजिये ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल : यह जो डाक्टरों की स्ट्राइक चल रही है, डाक्टरों ने एक साल से **(व्यवधान)**

†[شری محمد افضل عرف م- افضل :

یہ جو ڈاکٹروں کی اسٹرائک چل رہی ہے - ڈاکٹروں نے ایک سال سے [(مداخلت)

डा० रत्नाकर पाण्डेय : कालिंग अटेंशन में बोल लीजिएगा **(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल : आप अगर सुनने के लिए तैयार नहीं हैं तो मैं बैठ जाता हूं ।

†[شری محمد افضل عرف م- افضل :

آپ اگر سننے کیلئے تیار نہیں ہیں تو میں بیٹھ جاتا ہوں -]

श्री सभापति : मैंने इजाजत दे दी है ।

श्री भुवनेश्वर कालिता : आप चेयर को एड्रेस कीजिये ।

†[]Transliteration in Arabic Script.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : सर यह जो की स्ट्राइक चल रही है यह 12 नवंबर को शुरू हुई है और उससे पहले डाक्टरों ने मुख्तलिफ तरीके से गवर्नमेंट को आगाह किया और उनसे डिमांड की कि टिक्कू कमीशन की रिपोर्ट पर अमल-दरामद किया जाए ।

†[شری محمد افضل عرف م- افضل :

سر یہ جو ڈاکٹرس کی اسٹرائک چل رہی ہے - ۱۲ دسمبر کو شروع ہوئی ہے اور اس سے پہلے ڈاکٹروں نے مختلف طریقے سے گورنمنٹ کو آگاہ کیا اور ان سے ڈمانڈ کی کہ ٹکو کمیشن کی رپورٹ پر عمل درآمد کیا جائے -]

श्री सभापति : सुनिए, यह इसमें कालिंग अटेंशन है, इसलिए सवाल करने की मैंने इजाजत दी है तो छोटा सा सवाल कर लो ।

श्री मोहम्मद अफजलउर्फ मीम अफजल : बेहतर, सर, मेरा सिर्फ इतना पूछना है कि जब 12 तारीख को स्ट्राइक हुई तो एक साल से डाक्टरों के कहने के बावजूद कोई अमल-दरामद नहीं हुआ । लेकिन 14 तारीख को दस हजार डाक्टरों में से सिर्फ 800 डाक्टरों को फायदा पहुंचाने के लिए एक मेमोरेंडम गवर्नमेंट ने जारी कर दिया । क्या इसका मतलब यह नहीं है कि आप डाक्टरों को डिवाइड करके डिवाइड एंड रूल की पालिसी पर अमल कर रहे हैं और उनके पूरे मूवमेंट को बांटना चाहते हैं ? क्या यह गवर्नमेंट का काम करने का सही तरीका है ? अगर आप 14 तारीख को मेमोरेंडम जारी कर सकते हैं और 800 डाक्टरों को फायदा पहुंचा सकते हैं और 9200 डाक्टरों को उससे अलाहिदा रख सकते हैं तो आपने पिछले 15 दिन में डाक्टरों से अब तक कोई बात-चीत क्यों नहीं की ? क्या इसके अंदर कोई प्रेस्टिज इश्यू इन्वाल्व है ? क्या हकूमत ऐसी सर्विसेज के लिए जिसका बराहेरास्त ताल्लुक इंसानी जानों से है, आप प्रेस्टिज इश्यू बनाकर किसी मसले को हल कर सकते हैं और यह कोई भी सरकार हल कर सकती है ? तीसरा मैं जानना चाहता हूं, सर. . .

†[شری محمد افضل عرف م- افضل :

بہتر سر میرا صرف اتنا پوچھنا ہے کہ جب ۱۲ تاریخ کو اسٹرائک ہوئی تو ایک سال سے ڈاکٹروں کے کہنے کے باوجود کوئی عمل درآمد نہیں ہوا - لیکن ۱۴ تاریخ کو دس ہزار ڈاکٹروں میں سے صرف ۸۰۰ ڈاکٹروں کو فائدہ پہونچانے کیلئے ایک میمورنڈم سرکار نے جاری کر دیا - کیا اسکا مطلب یہ نہیں ہے کہ آپ ڈاکٹروں کو ڈیوائیڈ کرکے ڈیوائیڈ اینڈ رول کی پالیسی پر عمل کر رہے ہیں - اور اگر پورے موومنٹ کو ڈیفیٹ کرنا چاہتے ہیں - کیا یہ گورنمنٹ کا کام کرنے کا صحیح طریقہ ہے - اگر آپ ۱۴ تاریخ کو میمورنڈم جاری کر سکتے ہیں - اور ۸۰۰ ڈاکٹروں کو فائدہ پہونچا سکتے ہیں - اور ۱۲۰۰ ڈاکٹروں کو اس سے علیحدہ کر سکتے ہیں - تو آپ پچھلے ۱۵ دن میں ڈاکٹروں سے اب تک کوئی بات چیت کیوں نہیں کی - کیا اسکے اندر کوئی پریسٹیج ایشیو انوالو ہے - کیا حکومت ایسی سروسیز کیلئے جسکا براہ راست تعلق انسانی جانوں سے ہے - آپ پریسٹیج ایشیو بناکر کسی مسئلے کو حل کر سکتے ہیں - اور یہ کوئی بھی سرکار حل کر سکتی ہے - تیسرا میں جاننا چاہتا ہوں - سر . . . .

श्री सभापति : एक में कितने सवाल करोगे, अभी दूसरा सप्लीमेंटरी पूछ लेना ।

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : अगर मैं पूछ सकता हूं तो मुझे इजाजत दे दें, नहीं तो मैं बैठ जाऊं ।

†[شری محمد افضل عرف م افضل:

اگر میں پوچھ سکتا ہوں تو مجھے اجازت دیدیں نہیں تو میں بیٹھ جاؤں -]

श्री सभापति : अभी आपका दूसरा प्लीमेंटरी भी तो है ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : तीसरा मेरा सवाल यह है कि...

†[شری محمد افضل عرف م- افضل:

تیسرا میرا سوال یہ ہے کہ ....]

श्री सभापति : तीन सवाल नहीं, दो सवालों की इजाज़त होती है ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: ठीक है, मैं बैठता हूं ।

†[شری محمد افضل عرف م- افضل :

ٹھیک ہے - میں بیٹھتا ہوں -]

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री एम० एल० फोतेदार) : जनाबेवाला, मुझे कोई एतराज नहीं , मोतराम मैम्बर ने उर्दू में सवाल पूछा है मैं भी हतुल-इमकान कोशिश करूंगा उर्दू में ही जवाब दूं ।

श्री सभापति : आप उर्दू-हिन्दी का सवाल मत उठाइये, आप जवाब दीजिए ।.. (**व्यवधान**)

श्री एम० एल० फोतेदार : जहां तक मौअज्जिज़ मैम्बर ने यह कहा है सरकार ने इसको एक प्रेस्टिज इश्यू बनाया है, मैं बहुत ही अदब से यह कहना चाहता हूं कि सरका के लिए प्रेस्टिज का सवाल नहीं है, बल्कि प्रिंसिपल का सवाल है, क्योंकि हम इंसानी जानों से खिलवाड़ नहीं करना चाहते हैं । मैं नहीं चाहता कि डाक्टर जो मरीजों की देखभाल करे वह मरीजों को हास्पीटलों में होस्टेज रखे और बाहर स्ट्रीट में आकर हड़ताल करे । इसके साथ मैं कभी भी कंप्रोमाइज करने के लिए तैयार नहीं हूं, एक बात । दूसरी बात यह है कि आनरेबल थेबर ने कहा कि शायद सरकार डाक्टरों के इतिहाद को तोड़ना चाहती है । मैं आनरेबल मम्बर को यह कहता हूं कि एज ए हैल्थ मिनिस्टर थे डाक्टरों की कम्यूनिटी उनका सब से पहला खादिम हूं, मेरी कोई मंशा नहीं है, सरकार का कोई भी मंशा नहीं है कि डाक्टरों में कोई तनाव पैदा हो जाए या उनमें कोई डिवीज़न पैदा हो जाए । तीसरी बात जो इन्होंने कही है कि 12 नवंबर से हड़ताल चल रही है और उससे पहले रिपोर्ट आई है, इसमें इस सरकार का कोई कसूर नहीं है । आनरेबल मैम्बर को मालूम होगा और इस हाउस को भी मालूम है कि 1989 में एक मेमोरेंडम आफ सैटलमेंट हुआ था और फरवरी 1990 में एक कमेटी एप्वायंट हुई थी और शायद मई में उस कमेटी के जो मैम्बरान हैं वह इन्हीं डाक्टर्ज जो-जो स्ट्राइक पर हैं उन्हीं के कहने पर दो थेबर बदल दिए गए । उसके बाद पहली जनवरी, 1990 को टिक्कू कमेटी ने एक रिपोर्ट पेश की और उस वक्त भी सरकार एक जलजले में आई थी और 7 नवंबर को सरकार चल बसी और नई सरकार आ गई ।... (व्यवधान) मैं उर्दू में कहता हूं कि गवनमेंट रिज़ाइंड ।... (**व्यवधान**) उर्दू में शायद यह मुहावरा ससी है और उसके बाद दूसरी सरकार आई ।

दूसरी सरकार ने 6 मार्च को इस्तीफा दे दिया । हमारी सरकार ने 21 जून को हलफ ले लिया और 21 जून से आज तक जो कुछ भी है, उसके लिए हम जिम्मेदार हैं । अब आॅनरेबल मेंबर ने कहा कि शायद हम 800 डाक्टरों की मदद कर रहे हैं और दूसरे डाक्टरों को मदद नहीं कर रहे हैं । हम इसको बगैर देखना चाहते हैं । लेकिन सुप्रीम कोर्ट का एतराम करते हुए क्योंकि सुप्रीम कोर्ट का आर्डर था कि इसका फैसला

†[]Transliteration in Arabic Script.

18 नवंबर, 1991 से पहले किया जाना चाहिए, गवर्नमेंट ने अपनी दानिश में एक फैसला किया जो हम समझते हैं कि आम तौर पर डाक्टरों के हक में है और उनके मुफीद में है ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: मोहतरम् मिनिस्टर साहब ने फरमाया कि टिक्कू कमीशन की रिपोर्ट ऐसे हालात में आई और ऐसी सरकारों के दरमियान आई जो इस पर अमल दरामद नहीं कर सकीं । मैं मोहतरम् मिनिस्टर साहब की जानकारी के लिए अर्ज करना चाहूंगा कि टिक्कू कमीशन बनाने का फैसला ही उनकी सरकार के दौरान जब मोहतरमे राजीव गांधी साहब हयात थे, उस वक्त किया गया और जैसाकि उन्होंने बताया फरवरी, 1990 में उसको बनाया गया और अक्तूबर, 1990 के अंदर यह रिपोर्ट आ गयी । कुछ अखबारों में छपा कि इसको नेशनल फ्रंट की सरकार ने लागू नहीं किया । इस किस्म की फीड बैक वज़ारते सेहत की तरफ से अखबार वालों को दी गयी ताकि जानबूझकर एक सरकार को बदनाम किया जा सके । उसके बाद यह भी कहा गया कि चंद्रशेखर जी की सरकार ने भी उसके ऊपर कोई अमल दरामद नहीं किया । मैं यह मानता हूं कि जिसने भी इस पर अमल दरामद नहीं किया, अगर वह कर सकते थे और नहीं किया तो चाहे वह नेशनल फ्रंट की सरकार थी या चंद्रशेखर जी की सरकार थी...

†[]شری محمد افضل عرف م۔ افضل :

محترم منسٹر صاحب نے فرمایا کہ ٹکو کمیشن کی رپورٹ ایسے حالات میں آئی اور ایسی سرکاروں کے درمیان آئی جو اس پر عمل در آمد نہیں کر سکی میں محترم منسٹر صاحب کی جانکاری کیلئے عرض کرنا چاہتا ہوں کہ ٹکو کمیشن بنانے فیصلہ ہی انکی سرکار کے دوران جب راجیو گاندھی صاحب حیات تھے - اس وقت کیا گیا تھا جیسا کہ انہوں نے بتایا - فروری ۱۹۹۰ میں اسکو بنایا گیا اور اکتوبر ۱۹۹۰ میں کے اندر یہ رپورٹ آئی کچھ اخباروں میں چھپا کہ اسکو نیشنل فرنٹ کی سرکار نے لاکر نہیں کیا اس قسم کی فیک بیک وزارت صحت کی طرف سے اخبار والوں کو دی گئی - تاکہ جان بوجھکر ایک سرکار کو بدنام کیا جا سکے - اسکے بعد یہ بھی کہا گیا کہ چندر شیکھر جی کی سرکار نے بھی اسکے اوپر کوئی عمل در آمد نہیں کیا - میں یہ مانتا ہوں کہ جس نے بھی اس پر عمل در آمد نہیں کیا - اگر وہ کر سکتے تھے اور نہیں کیا تو چاہے وہ نیشنل فرنٹ کی سرکار تھی یا چندر شیکھر جی کی سرکار تھی...]

श्री सभापति : अब जरा सवाल कर लीजिए ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मेरा सवाल यह है कि पिछले 5 महीनों से इनकी सरकार है, दो महीने पहले स्ट्राइक का नोटिस दे दिया गया था, मोहतरम् मिनिस्टर साहब ने अपने जवाब में लिखा है कि इससे अस्पतालों की कार्य कर्दगी पर कोई ऐसा खास असर नहीं पड़ रहा है । 9200 डाक्टर्स स्ट्राइक पर हों और 800 को एक टुकड़ा डाल दें और कोशिश करें कि उनको लाकर ड्युटी पर बिठा दें, क्या यह इंसाफ के तकाजे के मुताबिक है ? आप 9200 डाक्टरों के हक को न मानते हुए, पहले तो यह दावा

†[] Transleteration in Arabic Script.

करें कि हाल-चाल सब ठीक-ठाक है, अस्पताल बिल्कुल अच्छी तरह से चल रहे हैं । हमारे बहुत सारे मोअज्जिज मेंबरान को इसका तजुर्बा है और जब कॉलिंग अटेंशन मोशन आ जाएगा तो मेंबरान खुद बता देंगे कि हाल-चाल कैसा चल रहा है? तो मैं जानना चाहता हूं जिसका कि उन्होंने स्पेसिफिक जवाब नहीं दिया है, इन्होंने कहा कि आपने नहीं दिया था, इन्होंने कहा कि आपने सुप्रीम कमेटी की रूलिंग को अहम समझते हुए 14 नवंबर को एक मनोरंजन जारी कर दिया, यह स्ट्राइक दो दिन के बाद ही क्यों की गयी? उससे दो दिन पहले क्यों नहीं कर दी गयी और दो महीने के पहले जब स्ट्राइक का नोटिस दे दिया गया था, उन दो महीनों के दौरान मोहतरम् वजीरे सेहत ने कितने डाक्टरों से बातचीत की, एक तो यह बताएं और 15 दिन के अंदर इसकी क्या प्रोग्रेस है? मैं इन सब बातों के अलावा एक बात और पूछना चाहता हूं कि यह इंसानी जानों का मामला है, इसलिए आप हमें सीधे आश्वासन दें कि इस वक्त तक उनसे बात करके इस मसले को खत्म कर दिया जाएगा ।

†[شری محمد افضل عرف م- افضل

میرا سوال یہ ھے کہ پچھلے پانچ مہینوں سے انکی سرکار ھے - دو مہینے پہلے اسٹرائک کا نوٹس دیا گیا تھا - محترم منسٹر صاحب نے اپنے جواب میں لکھا ھے کہ اس سے اسپتالوں کی کارکردگی پر کوئی خاص اثر نہیں پڑ رھا ھے - نو ھزار دو سو ڈاکٹر اسٹرائک پر ھوں اور آٹھ - نو کو ایک ٹکڑا ڈال دیں - اور کوشش کریں کہ انکے والکر ڈیوٹی پر بٹھا دیں - کیا یہ انصاف کے تقاضے کے مطابق ھے - آپ نو ھزار دو سو ڈاکٹرس کے حل کو نہ مانتے ھوئے پہلے تو یہ دعویٰ کریں کہ حال چال سب ٹھیک ٹھاک ھیں - اسپتال بالکل اچھی طرح سے چل رھے ھیں- ھمارے بہت سارے معزز ممبران کو اسکا تجربہ ھے اور جب کالنگ اٹینشن موشن آئیگا تو ممبران خود بتا دیںگے کہ حال چال کیسا چل رھا ھے - تو میں جاننا چاھتا ھوں جسکا کہ انہوں نے اسپیسیفک جواب نہیں دیا ھے - انہوں نے کہا کہ آپ نے سپریم کورٹ کی رولنگ کو اھم سمجھتے ھوئے ۱۴ نومبر کو ایک میمورنڈم جاری کر دیا - یہ اسٹرائک دو دن کے بعد ھی کیوں کی گئی - اس سے دو دن پہلے کیوں نہیں کر دی گئی - اور دو مہینے پہلے جب اسٹرائک کا نوٹس دیدیا گیا تھا ان دو مہینوں کے دوران محترم وزیر صحت نے کتنے ڈاکٹروں سے بات چیت کی - ایک تو یہ بتائیں اور اب ۱۵ دن کے اندر انکی کیا پروگریس ھے - میں ان سب باتوں کے علاوہ ایک بات اور پوچھنا چاھتا ھوں کہ یہ انسانی جانوں کا معاملہ ھے - اسلئے آپ ھمیں سیدھے آشواسن دیں کہ اس وقت تک ان سے بات کرکے اس مسئلے کو ختم کر دیا جائیگا -]

†[] Transliteration in Arabic Script.

श्री एम एल० फोतेदार : जहां तक 89 का सवाल है, आप जैसे लोग कांग्रेस को न हराते तो यह मसला ही नहीं उठता। हमने 90 में ही इस मसले को हल किया होता... (*व्यवधान*) मैं इनके सवाल का जवाब दे रहा हूं। अब सवाल है, चंद्रशेखर जी की सरकार की, चंद्रशेखर जी की सरकार ने 6 मार्च को इस्तीफा दिया। मैं उनको कुसूरवार नहीं समझता हूं क्योंकि उसके बाद वह सरकार एक केयर टेकर गवर्नमेंट बनी। वह कोई इम्पमेंटेंट फैसला नहीं कर सकी, इसके लिए चंद्रशेखर सरकार का कोई कुसूर नहीं है... (*व्यवधान*)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ़ सीम अफजल : जिसने कुछ नहीं किया, उसका कोई कसूर नहीं है।

†[شری محمد افضل عرف م- افضل: جس نے کچھ نہیں کیا اسکا کوئی قصور نہیں ہے -]

श्री सभापति : जल्दी-जल्दी करिए।

श्री एम० एल० फोतेदार : जहां तक आनरेबल मेम्बर का यह सवाल है कि अस्पतालों में कोई फर्क पड़ा है, मैं दिल्ली के अस्पतालों के ओ०पी०डी में जो पेशेंट्स स्ट्राइक से पहले एक्जामिन हुए, या मरीज आये, या उनका इलाज किया गया और स्ट्राइक के बाद जो उनका इलाज किया गया, मैं यह चीज आपके सामने पेश करता हूं। बेशतर अस्पतालों के कार्य में कोई भी फर्क नहीं पड़ा है।

23 जून को एन० एन० जी० अस्पताल में स्ट्राइक से पहले तीन हजार आन एन एवरेज, औसतन आऊट डोर पेशेंट आते थे और स्ट्राइक के बाद यहां तीन हजार लोग आ रहे हैं। इसलिए वहां कोई फर्क नहीं है।

एक माननीय सदस्य : इलाज भी हो रहा है कि नहीं ?

श्री एम० एल० फोतेदार : इलाज हो रहा है।

श्री प्रमोद महाजन : तो डाक्टरों की जरूरत नहीं है।

श्री एम० एल० फोतेदार : जी० टी बी० अस्पताल में स्ट्राइक से पहले दो हजार का लोगों इलाज होता था। अब स्ट्राइक के बाद--में 23 नवम्बर के हिस्से देरहा हूं। 23 नवम्बर को 1800 मरीज आ गये और उनका इलाज किया गया।

दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में मैं मानता हूं--इस पर मैं स्टेटमेंट भी दे रहा हूं--काफी फर्क पड़ा है। वहां स्ट्राइक से पहले 2200 मरीज आते थे और अब स्ट्राइक के बाद 1200 मरीज आते हैं।

इसी तरह से जी० बी० पंत अस्पताल में स्ट्राइक से पहले 700 मरीज आते थे और अब स्ट्राइक के बाद इतने ही मरीज आते हैं।

श्री सभापति : आपकी राय है कि फर्क नहीं पड़ा है।

श्री एम० एल० फोतेदार : मेरी यह राय है।

श्री प्रमोद महाजन : एक हजार मरीज रोज अस्पताल में आते हैं, लेकिन मंत्री महोदय को इसका कुछ भी पता नहीं है।

श्री सभापति : इस पर कौलिंग अटेंशन होने वाला है।

SHRI DIPEN GHOSH: If the doctors have gone on a strike... (*Interruption*)... Hospitals are not run on the basis of the statement given by the Minister

(*Interruptions*)

SHRI M. L. FOTEDAR: No, I am just telling you that the hospitals... (*Interruptions*)... I am coming to the other point.

मौलाना आबुल्ला खान आजमी : जितने आ रहे हैं, उतने ही कब्रिस्तान भी जा रहे हैं। मरीजों की तादाद जरूर ज्यादा है।

† [] Transliteration in Arabic script.

†[مولانا عبیداللہ خاں اعظمی:

جتنے ا رہے ہیں اتنے ہی قبرستان بھی جا رہے ہیں - مریضوں کی تعداد ضرور زیادہ ہے -]

श्री एम० एल० फोतेदार : जहां तक आनरेबल मेम्बर ने यह कहा कि हमने मजारिटी को स्पोर्ट नहीं किया, एक अल्पसंख्यक जो डाक्टरों का था, उसको सपोर्ट किया, मैं समझता हूं कि डाक्टरों के संबंध में हम अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक का सवाल नहीं उठाते, हम काबलियत का सवाल उठाते हैं और मेरिट के हिसाब से, क्वालिटी आफ दी मेडिकल केयर मेन क्राइटीरिया है डाक्टरों के प्रोमोशन का, या बाकी चीजों का ।

तीसरी बात, जो इन्होंने कही कि सब डाक्टर स्ट्राइक पर हैं, ऐसी बात नहीं है । मैं आनरेबल मेम्बर को यह कहना चाहता हूं कि सैंट्रल हैल्थ सर्विस के जो जी०डी०एम०ओ० हैं, उनमें से कोई 2,500 डाक्टर स्ट्राइक पर हैं ।

श्री बुकोमल सेन : पालियामेंट ओ०पी० डी० में क्या है, बताइये ना ?

श्री एम० एल० फोतेदार : आपने शिकायत की कि जी०डी०एम०ओज० में साथ कोई इन्साफ नहीं हो रहा है । मैं आपको आश्वासन देता हूं कि इन 2,500 जी०डी०एम०ओज० में से अगर वह स्ट्राइक को विदड्रा करेंगे, तो उनमें से—

One thousand will get the promotion. I have already looked into those cases.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल : यह मेरे सवाल का जवाब नहीं दे रहे हैं।

†[شری محمد افضل عرف م- افضل :

یہ میرے سوال کا جواب نہیں دے رہے ہیں -]

श्री एम० एल० फोतेदार : मैं आपके सवाल का ही जवाब दे रहा हूं ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल : मेरे कहने का मतलब यह है कि दो महीने पहले स्ट्राइक का जब नोटिस दे दिया गया था, उस पर आपने क्या कार्यवाही की, और पिछले पंद्रह दिन में आपने अभी तक क्या कार्यवाही की ? इससे पता लगेगा कि आप वाकई ही मरीजों के कहीं हमदर्द हैं और अस्पतालों और डाक्टरों के कहीं हमदर्द है । मैं सर्फ यह जानना चाहता हूं कि पिछले दो महीने पंद्रह दिन का हिसाब दे दीजिए ।

†[شری محمد افضل عرف م افضل :

میرے کہنے کا مطلب یہ ہے کہ دو مہینے پہلے اسٹرائک کا جب نوٹس دیدیا گیا تھا اس پر آپ نے کیا کارروائی کی - اور پچھلے پندرہ دن میں آپ ابھی تک کیا کارروائی کی اس سے پتہ لگے گا - کہ آپ واقعی ہی مریضوں کے کہیں ہمدرد ہیں اور اسپتالوں اور ڈاکٹروں کے کہیں ہمدرد ہیں میں صرف یہ جاننا چاہتا ہوں کہ پچھلے دو مہینے پندرہ دن کا حساب دیدیجئے -]

श्री एम एल० फोतेदार : आप शांत रहिए मैं पंद्रह दिन का ही नहीं, बराबर दो महीने पंद्रह दिन का हिसाब दे दूंगा और एक-एक दिन का हिसाब दे दूंगा ।

दो महीने का हिसाब, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दो महीने के अंदर-अंदर इसका फैसला हो ।

श्री सभापति : हो गया।

†[]Transliteration in Arabic script.

श्री एन. एल. फोतेदार : वह फैसला हमने 14 नवम्बर को सुप्रीम कोर्ट के हुक्म के मुताबिक किया और उसके मुताबिक बहुत से डाक्टरों को फायदा होगा।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: मेरा पूछना यह है कि अब तक आखिर सरकार इनसे बात क्यों नहीं कर रही है? पंद्रह दिन गुजरने के बाद भी सरकार इनसे बात क्यों नहीं कर रही है?

†[شری محمد افضل عرف م۔ افضل :

میرا پوچھنا یہ ھے کہ اب تک آخر سرکار ان کے بات کیوں نہیں کر رھی ھے ۔ پندرہ دن گزرنے کے بعد بھی سرکار ان سے بات کیوں نہیں کر رھی ھے ۔]

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: Sir, will the Central Government take the responsibility to pay compensation for the patients who have died in between?

एल०पी०जी० पर राज सहायता

84. **श्री राम जेठमलानी :†**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या **पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि घरेलू उपयोग में काम आने वाली खाना पकाने की गैस पर सरकार द्वारा राज सहायता दी जा रही है ;

(ख) यदि हां, तो प्रति सिलेंडर लागत मूल्य क्या है ;

(ग) इस लागत मूल्य में सरकारी कर, ढुलाई व्यय तथा प्रशासनिक व्यय का अलग-अलग ब्यौरा क्या है ;

(घ) क्या सरकार ने इस लागत मूल्य में कमी लाने के लिए कोई प्रयास किये हैं ; और

(ङ) यदि हां, तो उसके परिणामस्वरूप सरकार इसके लागत मूल्य में कितनी कमी लाने का विचार रखती है ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS WITH ADDITIONAL CHARGE OF MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI S. KRISHNA KUMAR): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The cost of production and its various elements vary from unit to unit. Retail price includes exstorage price, freight, dealer's commission, local levies and taxes and varies from place to place.

(d) and (e) While the major component of the cost of production is the cost of raw material, constant efforts are made to improve the operations of the producing units in order to reducing the processing costs.

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

*85.[*Transferred to the 6th December 1991*]...

Petroleum Projects Aided by USSR

*86. SHRI SHIV PRATAP MISHRA: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that political developments in USSR have affected the petroleum projects aided by the that country in India;

(b) if so, the extent thereof; and

† [] Transliteration in Arabic script.

† सभा में यह प्रश्न श्री राम जेठमलानी द्वारा पूछा गया।